University in News on 30 March 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि: कैलेंडर, ब्रोशर का किया विमोचन

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को सिद्धार्थी नामक संवत कैलेंडर का विमोचन किया। कैलेंडर में ज्योतिष शास्त्र से संबंधित सिद्धांतों के चित्रों का प्रकाशन भी किया गया है। कुलपति ने लविवि के प्रोफेसर बोनो क्लब की ओर से आयोजित होने वाले प्रथम डॉ. शंकर दयाल शर्मा प्रो. बोनो कॉन्क्लेव के पोस्टर का विमोचन किया। कुलपति ने भीमोत्सव के छठवें संस्करण के ब्रोशर व पोस्टर का अनावरण भी किया। (संवाद)

एमपीएच-एमएससी का रिजल्ट जारी

लखनऊ। लविवि ने विषम सेमेस्टर की परीक्षा के अंतर्गत शनिवार को एमपीएच व एमएससी कोर्स के तीसरे सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी कर परिणाम घोषित होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा, परिणाम में किसी तरह की त्रुटि होने पर छात्र परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

पीएम को बुलाने साइकिल से पहुंच गए एयरपोर्ट

महफिले मुलाकात कार्यक्रम में मौजूद राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा। संवाद

लविवि में हुई महफिले मुलाकात में मिले पुराने यार, याद किए किस्से

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री जी, मैं छात्रसंघ महामंत्री हूं। आप मेरे साथ लविवि चलिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ को चीरते हुए साइकिल से एक युवक एयरपोर्ट में प्रवेश करता है। पंडित नेहरू ने युवक से कहा, मेरा ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं है, मुझे लखनऊ चिड़ियाघर जाना है।

जवाब आता है कि उनके पास जानवरों के बच्चों के लिए समय है, लेकिन छात्रों के लिए नहीं, ये गलत है। प्रधानमंत्री ने कहा, वह तत्काल नहीं चल सकते, पहले से बुलाइएगा मैं आने की कोशिश करूंगा।

ये किस्सा 1953 में लखनऊ विवि के छात्र रहे धीरेंद्र वर्मा का है। उन्हें लविवि पुरातन छात्र सम्मेलन में सबसे वरिष्ठ छात्र होने के खिताब से नवाजा गया।

लविवि के पुरातन छात्रों की ओर से शनिवार को महफिले मुलाकात कार्यक्रम हुआ। विवि के पूर्व छात्र और छात्रसंघ पदाधिकारी रहे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे।

महफिले मुलाकात में पहुंचे पूर्व छात्र जब वर्षों के बाद पुराने यारों से मिलें तो एक दूसरे को गले से लिपट गए। विधानपरिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने पद्मश्री प्रो. नवजीवन रस्तोगी, धीरेंद्र वर्मा और चचा अमीर हैदर, पूर्व कर्मचारी पाटन सिंह चौहान को सम्मानित किया।

NBT PAGE 5

लखनऊ विश्वविद्यालय में हुई अल्मनाई मीट के मौके पर पूर्व छात्रों ने सुनाए किस्से

जू जा रहे PM से कहा... इंसानों के बच्चों से मिल लीजिए

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः 50 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू एक बार लखनऊ जू में एक कार्यक्रम के लिए लखनऊ आए। एयरपोर्ट पर एलयू के छात्रनेता धीरेंद्र वर्मा ने प्रधानमंत्री को रोक कर उन्हें एलयू आने का न्योता दिया। पीएम ने कहा कि मेरा लखनऊ जू में पहले से कार्यक्रम लगा है। इस पर धीरेंद्र वर्मा ने कहा कि जानवरों के बच्चों से तो मिल लीजिएगा इंसानों के बच्चों के लिए भी समय निकालिए। इसके बाद प्रधानमंत्री न सिर्फ एलयू आए बल्कि बाद में एलयू की छात्रसंघ के आजीवन सदस्य भी बने। शनिवार को एलयू में अल्मनाई मीट के मौके अनिल सिंह वीरू ने यह किस्सा सुनाया तो सभी ने धीरेंद्र वर्मा के लिए तालियां बजाई और उन्हें सम्मानित किया।

लखनऊ विवि अल्मनाई का शनिवार को रीयूनियन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, पूर्व मंत्री स्वाति सिंह समेत कई राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। मौके पर विवि के पुराने छात्रनेताओं 56 बैच के अमीर हैदर, 58 बैच के नवजीवन रस्तोगी सम्मानित किए गए। कार्यक्रम में विवि के कई कर्मचारी को भी उन्हें भी सम्मानित किया गया।

राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा के साथ एलयू के पूर्व छात्रों ने याद किए पुराने दिन।

'ढाई महीने बंद था LU

कार्यक्रम में 1959 में अध्यक्ष रहे नवजीवन रस्तोगी ने बताया कि उस समय छात्रसंघ विश्वविद्यालय के लिए काम करता था। मेरे समय में विवि में भ्रष्टाचार चरम पर था। ऐसे में छात्रसंघ ने अभियान चलाया और ढाई महीने तक एलयू उस समय बंद रहा। लेकिन हमने हार नहीं मानी, हमे तीन महीने जेल भी हुई। बाद में जमानत पर छूटे लेकिन विवि के लिए लड़ना नहीं छोड़ा। बाद में यहां प्रफेसर बने और रिटायर हुए।

'हर कप अलग था'

लॉ में 87 बैच के छात्र रहे राजेश शर्मा ने बताया कि हमारे समय में कॉमर्स के पास एक मिल्कबार कैंटीन होती थी। यू तो उस कैंटीन के बहुत से किस्से हैं, लेकिन एक खासियत ये भी थी कि वहां अगर दस लोग चाय पीने जाते थे तो दसों के कप अलग-अलग होते थे। किसी का कोना टूटा होता था किसी का कुंढा टूटा होता था। लेकिन फिर भी वहीं चाय पीते थे, तब जगह ज्यादा मायने रखती थी।

HINDUSTAN PAGE 7

| एलयू | कला संकाय में पूर्व छात्र मिलन समारोह, विधान परिषद सभापति मानवेन्द्र सिंह ने पुस्तक विमोचन किया

पुरातन छात्रों ने याद किए पुराने किस्से

- उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अन्य पहुंचे
- पूर्व छात्रों ने कार्यक्रम में गीत सुनाकर समां बांधा

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह हुआ। देर शाम शुरू हुए समारोह में दर्जनों पूर्व छात्र पंहुचे और पुराने दौर की यादों को ताजा किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विधान परिषद सभापति मानवेन्द्र सिंह ने पुस्तक का विमोचन किया। इसके साथ ही पूर्व छात्र-छात्राओं ने कई रोचक किस्से सुनाए।

कला संकाय से निकल कई छात्रों ने प्रशासन, राजनीति, व्यवसाय में बड़ा नाम कमाया है। पूर्व छात्र मिलन समारोह में बड़ी संख्या में शामिल हुए पूर्व छात्रों ने अपने विश्वविद्यालय के दिनों को याद करते हुए अपनी संघर्ष यात्रा को भी साझा किया। समारोह में कई छात्रों ने अपनी गायकी का हुनर भी दिखाया तो कई छात्रों ने बताया कि कैसे पुराने दिनों में मस्ती और मजाक होता था। हास्टल के दिनों में भी खूब शरारत की जाती थी। इस अवसर पर कई भावुक पलों की यादें भी साझा की गईं।

पूर्व छात्र मिलन समारोह में विधायक अजय सिंह, राज्यपाल कश्यप, स्वाति सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, हिमांशु तिवारी, राजेश शुक्ला, अरविंद सिंह गोप, लुआकटा के मनोज पांडेय, प्रमोद तिवारी, दयाशंकर सिंह, अनिल सिंह वीरू, मुकेश शुक्ला, वीएन मिश्रा, शरफ अब्बास खान, ज्ञानेन्द्र शुक्ला, पवन उपाध्याय समेत दर्जनों छात्र और छात्राएं मौजूद रहे और अपने अनुभव साझा किए।

एलयू में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा कई माननीयों ने शिरकत की। ● हिन्दुस्तान

ज्योतिषशास्त्र तिथि पत्र का विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विशेष समारोह में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु सिंह, ज्योतिर्विज्ञान विभाग के समन्वयक डॉ. सत्यकेतु और शिक्षकों डॉ. अनिल कुमार पोरवाल, डॉ. अनुज कुमार शुक्ल, डॉ. प्रवीण कुमार बाजपेई की उपस्थिति में सद्धार्थी संवत्सर के ज्योतिषशास्त्र आधारित तिथिपत्र (कैलेंडर) का विमोचन किया।

इस तिथिपत्र में तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण जैसे पंचांग तत्वों को शामिल किया गया है।

i-NEXT PAGE 4

फिर याद आ गई चाय की चुस्की संग शाम को होने वाली गपशप

एलयू की एलुमिनाई मीट में लगा पुराने छात्रों का जमावड़ा

LUCKNOW (29 MARCH): लखनऊ विश्वविद्यालय का कला संकाय मैदान शनिवार शाम को यादों, हंसी और मिलन के रंग में सराबोर हो गया. अवसर था लखनऊ एलुमनी फाउंडेशन की ओर से आयोजित महफिल-ए-मुलाकात, जहां पूर्व छात्रों ने सालों बाद एक साथ बैठकर बीते दिनों की यादें ताजा कीं. शाम ढलते ही कैंपस की हवा में एक अलग ही सजीवता आ गई. जैसे ही पुराने साथी गले मिले, उनकी आंखों में बीते लम्हों की चमक लौट आई.

वर्चुअल टूर भी कराया गया

इस भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया. कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी शामिल हुए. इसके साथ ही एलयू से पढ़े हुए देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत सभी एलुमिनाई इस समारोह का हिस्सा रहे. कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सभी एलुमिनाई को एलयू का एक वर्चुअल टूर भी कराया गया. जिसमें उन्होंने देखा कि यूनिवर्सिटी साल-दर साल किस तरह से बेहतरी की तरफ अग्रसर हो रही है.

बोले एलुमिनाई

मैं एलयू 1990 बैच का पासआउट हूं और स्टार हेल्थ इंश्योरेंस में रीजनल मैनेजर हूं. कॉलेज के दिनों को याद करता हूं तो एक चीज सर्वाधिक हिट करती है और वो है हमारी बॉन्डिंग क्योंकि तब मोबाइल होते नही थे. हम घंटो बैठकर बातें करते थे. **एसपी अस्थाना**

मैंने एलयू से 1992 में बीकॉम किया और फिर लॉ किया. मैं स्टेट ऑडिट में डिप्टी डायरेक्टर हूं. मैंने यूनिवर्सिटी में भी 6 साल तक अकाउंट ऑफिसर के तौर पर काम किया है. एलयू से जुड़ी हमारे टाइम की सबसे अच्छी बात ये थी कि हम एक फैमिली की तरह रहते थे. **रत्नेश्वर भारती**

मैंने एलयू से 2017 में एलएलबी पास किया, जिसका एक्सपीरियंस बहुत खास रहा. दोस्तों के साथ घूमना हो, चिल मारना हो या फिर क्लासेज में की जाने वाली मस्ती वो सारी चीजें आज काफी हिट करती हैं. मैं एक सोशल वर्कर और लॉ कोचिंग की डायरेक्टर हूं. **दिव्या जायसवाल**

मैं एलयू से 1996 में पासआउट हुआ और इस समय मैं यूनिवर्सिटी में ही कार्यरत हूं. हमारा यूनिवर्सिटी में बिताया 13 साल 8 महीने के सफर का हर एक पल बेहतरीन रहा, जिसे ना तो भुलाया जा सकता है और ना ही रिक्रिएट किया जा सकता है. **डॉ. प्रमोद तिवारी**

मैंने 2005 में यूनिवर्सिटी से एलएलबी की और इस समय हाईकोर्ट में वकील हूं. एलयू से जुड़ी हमारी खास यादों में 1 नंबर गेट पर शाम को पी जाने वाली चाय है, जिसे याद करके हमें अब तक हमारे कॉलेज के दिन याद आ जाते हैं. **संदीप कुमार यादव**

मैं 2007 में एलयू से पासआउट हुआ और इस वक्त लखनऊ हाईकोर्ट में एडवोकेट हूं. लखनऊ यूनिवर्सिटी में हमारा सफर बेहद खास रहा. गोल्डन जुबली हॉस्टल की यादें हमें हमेशा याद रहेंगी. **आजाद पाठक**

मैंने एलयू से 2015 में एमकॉम किया और इस टाइम एक टीचर हूं. एलुमिनाई मीट में आकर बहुत अच्छा लग रहा है. जैसे हमारा वेलकम हुआ और हमारे पुराने दोस्त मिले, एक अलग ही फीलिंग आ रही है. पुराने दिन आज फिर याद आ रहे है. **आयुषी**

मैंने एलयू से मास्टर्स किया है और इस टाइम मैं एक लेक्चरर हूं. एलयू में हो रही इस मीट से हम सबकी नेटवर्किंग एक बार फिर से स्ट्रॉन्ग हो गई. काफी अच्छा लग रहा है सबसे मिलकर. कालेज के दौर की यादें आज फिर ताजा हो गई है. **अंजली मिश्रा**

मैंने 1994 में एलयू से मास्टर्स किया और अब एक प्रोफेसर हूं. एलयू का एक्सपीरियंस काफी अच्छा रहा और आज सबसे मिलकर एक अलग ही फील आ रहा है क्योंकि यहां से मैने पढ़ा भी, यहां पर पढ़ाया भी. आज का दिन और भी खास है हमारे लिए. **अनीता बाजपेई**

TOI PAGE 3

LU AGLOW WITH NOSTALGIA

Ajay Kumar

Former students of Lucknow University reunited and revived spirit of the good old times, on the campus's convocation grounds on Saturday

LU student selected in Indian Army

Times News Network

Lucknow: Ayush Patel, a cadet of the 64 UP Battalion NCC and a student of Physics at Lucknow University, has been selected as an officer in the Indian Army. Ayush Patel participated in various NCC training camps, including the NCC Combined Army Training Camp, map-reading exercises, and weapon training sessions held in 2021, 2022, and 2023. He underwent rigorous training at the Officers Training Academy camp in Chennai, which further prepared him for his military career. "Joining the Indian Army has always been my dream, and NCC has played a crucial role in shaping my journey. The training, discipline, and leadership skills I gained during my time in NCC were instrumental in my selection," said Ayush Patel.

JAGRAN CITY PAGE III

कालगणना के संग गूढ़ रहस्यों के साथ पंचांग तैयार

- लखनऊ विश्वविद्यालय में विक्रम संवत् 2082 के विशेष तिथिपत्र का विमोचन
- इसमें आकाश में दृष्टिगोचर होने वाले वक्री ग्रहों की अवस्थिति को भी चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया

जागरण संवाददाता • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में विक्रम संवत् 2082 के 'सिद्धार्थी' तिथिपत्र (कैलेंडर) का विमोचन हुआ, जो भारतीय पंचांग की परंपरा और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अद्भुत समन्वय है। यह केवल धार्मिक तिथियों की सूची मात्र नहीं, बल्कि खगोलीय गणनाओं, ग्रहों की गति और समय की सूक्ष्मतम इकाइयों को समझाने वाला एक महत्वपूर्ण ग्रंथ भी है। इसमें आकाश में दृष्टिगोचर होने वाले वक्री ग्रहों की अवस्थिति को भी विशेष चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है, जिससे पाठक ज्योतिषीय गणनाओं को अधिक वैज्ञानिक रूप से समझ सकते हैं।

भारत की कालगणना पद्धति सदियों से वैज्ञानिक आधार पर विकसित हुई है। इसमें तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण जैसी पारंपरिक गणनाओं के साथ-साथ, सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी की गति से जुड़े खगोलीय सिद्धांतों को भी सरल और चित्रात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया है। समय की सबसे सूक्ष्म इकाई से लेकर प्रलय तक की गणना प्राचीन ऋषियों ने त्रुटि (अत्यंत सूक्ष्म समय इकाई) से लेकर युग, कल्प और प्रलय तक की संपूर्ण समय गणना को विभाजित किया। इस कैलेंडर में इन सभी अवधारणाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया गया है। ग्रहों की स्थिति और राहु-केतु की गति इस तिथिपत्र में राहु-केतु के आरोह और अवरोह बिंदुओं को विशेष रूप से चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है, जो खगोलीय गणना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

ग्रहों की कक्षाएं और भू-भ्रमण सिद्धांत इसमें भू-केंद्रिक ग्रहों की कक्षाओं का क्रम दर्शाया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भू-भ्रमण का सिद्धांत भारतीय खगोलविदों द्वारा प्राचीन काल में ही विकसित कर लिया गया था। ए. एम. और पी.एम. का भारतीय गणना से संबंध इस पंचांग में बताया गया है कि भारतीय कालगणना में प्रयुक्त 'याम्योत्तर वृत्त सिद्धांत' ही आधुनिक काल में ए. एम. (एंटी मेरिडिएन) और पीएम (पोस्ट मेरिडिएन) का आधार बना। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह तिथिपत्र भारतीय ज्ञान परंपरा और वैज्ञानिक सोच का जीवंत उदाहरण है। संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग के अध्यक्ष डा. अभिमन्यु सिंह, ज्योतिर्विज्ञान विभाग के समन्वयक डर. सत्यकेतु, डा. अनिल कुमार पोरवाल, डा. अनुज कुमार शुक्ल और डा. प्रवीण कुमार बाजपेई ने इसे शोधपरक दस्तावेज बताया।

विक्रम संवत् 2082 के 'सिद्धार्थी' तिथिपत्र (कैलेंडर) का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. आलोक राय व संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग के शिक्षक • जागरण

कार्यक्रम में ज्ञानेंद्र शुक्ला, राजेश गिरी व पीयूष त्रिपाठी • जागरण

अंशु केडिया, शशि पाठक व रंजना अग्निहोत्री • जागरण

यार मिले तो जवां हुईं यादें

- लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का भावुक मिलन, यादों की सजी महफिल

जागरण संवाददाता • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय का कला संकाय मैदान शनिवार शाम को यादों, हंसी और मिलन के रंग में सराबोर हो गया। अवसर था लखनऊ एलुमनी फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'महफिल-ए-मुलाकात', जहां पूर्व छात्रों ने सालों बाद एक साथ बैठकर बीते दिनों की यादें ताजा कीं। शाम ढलते ही कैंपस की हवा में एक अलग ही सजीवता आ गई।

जैसे ही पुराने साथी गले मिले, उनकी आंखों में बीते लम्हों की चमक लौट आई। किसी ने अपनी पढ़ाई के दिनों को याद किया, तो किसी ने लाइब्रेरी की लंबी बहसों का जिक्र छेड़ा। कला संकाय के मैदान में लगी झालरों की रोशनी, हल्की ठंडी हवा और गूंजती हंसी ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। शुरुआत विश्वविद्यालय गीत से हुई, जिसे सुनते ही हर किसी का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। सभी ने बड़े स्क्रीन पर विश्वविद्यालय का वर्चुअल टूर किया। विश्वविद्यालय के पुरातन कर्मचारियों और पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। पूर्व छात्र और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्य सभा सदस्य डा. दिनेश शर्मा भी पहुंचे। जैसे-जैसे रात गहराती गई, बातें भी गहराने लगीं। अलविदा कहने का समय आया तो सभी ने वादा किया कि यह महफिल अब हर वर्ष सजेगी, और दोस्ती की यह लौ कभी नहीं बुझेगी। पूर्व वरिष्ठ छात्र ज्ञानेंद्र शुक्ला ने फाउंडेशन के विषय में बताया, पूर्व वरिष्ठ छात्र अनिल सिंह वीरू ने सभी का स्वागत किया। संचालन दीपशिखा चैनानी ने किया। समारोह में न्यायिक, प्रशासनिक, सामाजिक, शिक्षा जगत और राजनीतिक क्षेत्र के लोग शामिल हुए।

कला संकाय मैदान में लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों की ओर से आयोजित महफिल-ए-मुलाकात कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य डा. दिनेश शर्मा के साथ राकेश राणा, ब्रजेश मिश्रा सौरभ, शैलेंद्र सिंह शैलू व अन्य • जागरण

कार्यक्रम में नवजीवन रस्तोगी, अनिल सिंह वीरू (बाएं) और शिव पांडेय, अनिल दुबे व अभिनव मिश्रा • जागरण

HT PAGE 3

{ DOWN MEMORY LANE }

Vintage nostalgia rules LU alumni meet

Godhooli Sharma
godhooli.sharma@htlive.com

LUCKNOW: Nostalgia overflowed at the Arts Quadrangle of Lucknow University on Saturday as former students came together to be part of the alumni meet.

Their reminiscences ranged from student politics, last-minute revision in the arts quadrangle, gossip and the canteen food.

Some of the alumni were senior enough to have even seen freedom fighters delivering speeches. There were others who had only passed last year. All were bound by love of their alma mater.

They recalled the days when they savoured chola samosa at the LUMBA canteen and remembered the professors who had taught them.

The alumni present on the occasion included former student leaders and people associated with them who discussed memories of their protest, detention and victories.

Deputy chief minister Brajesh Pathak and Rajya Sabha member Dinesh Sharma, both alumni of the university, were also among those present.

Dhirendra Varma, student general secretary from 1955-56, shared how he had invited former Prime Minister Jawaharlal Nehru to the university.

"I got to know that Nehruji was visiting the city. I took my bicycle to the airport and, dodging the crowd, I invited him to the university. He was in the city for an event at the zoo. So, he said he would come some other time to which I satirically retorted that he had time for offspring of animals but not for children of human beings. That was when he promised to visit the same day around noon. That was the first time the prime minister visited the university," Varma recalled.

Pramod Tiwari, a former students' union president, said as soon as he entered the gate, he was reminded of a protest in which he had participated. That protest was led by Brijesh Mishra 'Saurabh', general secretary in 1989, against an order passed by the university authority asking hostellers to empty their rooms.

"We went to the then chief minister's residence who heard our plea but soon after we came out, we were arrested for breaking the protocol. Saurabh had already left with the chief minister for his office, so he could not be arrested. But on being asked by the cops, I informed them about him leading to his arrest. It is one of those memories which remains etched in my heart, and we still laugh at the incident," Tiwari said.

Many such memories were discussed while alumni warmly met their friends.

Several former students turned up in the alumni meet at Lucknow University held on Saturday HT

LU's BTech, MCA courses get AICTE recognition

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The All India Council for Technical Education (AICTE) has granted recognition to the BTech and MCA courses at Lucknow University (LU). With this approval, BTech courses in Computer Science Engineering (CSE), Computer Science Engineering (AI), Electronics and Communication Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering, and Civil Engineering are now AICTE-recognised. The BCA course under the faculty had already received AICTE recognition in 2024. With this approval, all courses under LU's Faculty of Engineering now hold AICTE accreditation, said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai congratulated the teachers, staff and students of the faculty, emphasising that the recognition of AICTE reflects the excellence in technical education of the varsity.

WITH THIS APPROVAL, ALL COURSES UNDER LU'S FACULTY OF ENGINEERING NOW HOLD AICTE ACCREDITATION

He said, "This will not only enhance the reputation of our university, but will also open the doors of new opportunities for both students and teachers. Students will now get better opportunities for higher education and employment at national and international level."

Rai further added, "This will increase the possibilities of placement and students will be able to take advantage of courses equipped with modern technology run by AICTE."